सरस्वती विद्या मन्दिर बालिका इण्टर कालेज

आर्यनगर (उत्तरी), गोरखपुर
फोनः 0551-2335124, 2343492 फैक्सः 0551-2335124
e-mail - vidyamandir.gkp@gmail.com
Website - www.vidyamandir.edu.in

विवरण पुस्तिका एवं प्रवेश आवेदन पत्र

ॐ भूभुर्वयः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्

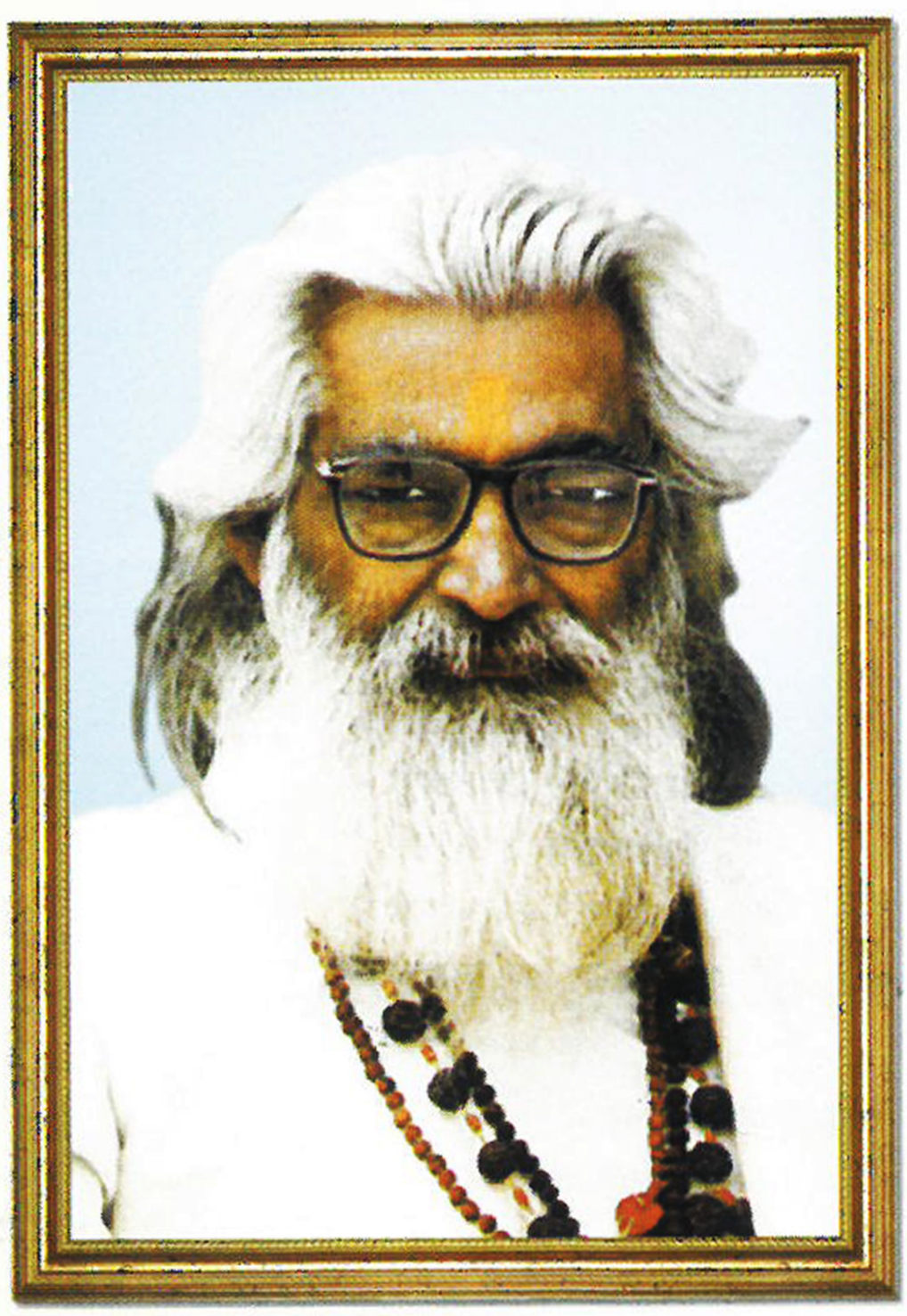

विद्यालय के संस्थापक एवं द्वितीय प्रधानाचार्य
प्रेरणा स्रोत एवं मार्गदर्शक
स्व. नागेन्द्र सिंह जी (दाढ़ी बाबा)

विद्यालय के संस्थापक प्रधानाचार्य
स्व. रवि प्रताप नारायण गिरि जी

सरस्वती विद्या मन्दिर शिक्षा योजना

बोध सूत्र

शिक्षा के आधार	संस्कृति	ज्ञान	चरित्र
आचार्य की कसौटी	प्रेरणा	ज्ञान	कुशलता
छात्रा के विकास की दशा	ज्ञान	क्रिया	भावना
प्रबन्ध समिति का कार्य	श्रद्धा	सेवा	संरक्षण
अभिभावक का दयित्व	संस्कार	सामाजिकता	सहयोग
विद्या मन्दिर में प्रतिस्थापित देवता	मातृभूमि	प्राणिमात्र	पुस्तक मातृभाषा

विद्या मन्दिर परिवार

स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व राष्ट्रीय स्मिता परकीयों के अधीन थी। भारतीय संस्कृति का मूलोच्छेद किया जा चुका था। सम्पूर्ण राष्ट्र की तरूणाई का लक्ष्य परकीय व्यवस्था से मुक्ति हेतु, अनवरत आत्माहुति करके, भारतीय तन्त्र की पुनर्स्थापना हेतु 1947 में स्वतंत्रता की प्राप्ति हुई थी। हुतात्माओं के बलिदान का बिना विचार किये, राष्ट्र के तत्कालीन तथाकथित सूत्रधारी राजनायिकों ने मैकाले की शिक्षा पद्धति को अप्रत्यक्ष रूप से राष्ट्र पर थोप दिया। भारत माता की आत्मा स्वतंत्र होते हुए भी परोक्ष रूप से पुनः दासता की बेड़ी में जकड़ दी गयी। राष्ट्र की भूख की अनूभूति हुतात्माओं की आत्मा की शान्ति हेतु, भारत माता के सपूतों ने उन्नत स्वाभिमानी राष्ट्र निर्माण की भावना से ओत-प्रोत होकर पूर्ण आत्मविश्वास से 1952 में सरस्वती शिशु मन्दिरों की शिक्षा की योजना आरम्भ किया। जिससे सम्पूर्ण राष्ट्र ही नहीं, अखिल विश्व भी इस शिक्षा पद्धति एवं राष्ट्रीय भावना के प्रति नतमस्तक है। इसी श्रृंखला में विद्या मन्दिर शिक्षण संस्थान, आर्यनगर (उत्तरी), गोरखपुर भी राष्ट्र निर्माण के इस वृहद् अभियान में महायोगदान हेतु 13 जुलाई, 1964 से समर्पण के साथ लगा हुआ है। किसी भी व्यक्ति, समाज,राष्ट्र का ध्येय एवं लक्ष्य यदि स्पष्ट रहता है, कार्य निस्पृह भाव से करने की भावना होती है, तो सफलता स्वतः पुरूषार्थी के चरण वन्दन हेतु चली आती है। ऐसा ही कुछ विद्या मन्दिर शिक्षण संस्थान, आर्यनगर (उत्तरी), गोरखपुर के सम्बन्ध में चरितार्थ होता है। संस्थान आपके स्नेह एवं सहयोग से सहर्ष स्वाभिमानपूर्वक सम्पूर्ण समाज की चुनौती स्वीकार कर रहा है। विद्या मन्दिर शिक्षण संस्थान, आर्यनगर (उत्तरी), गोरखपुर ने जो कुछ भी समाज से लिया उसको द्विगणित करके पुनः समाज को समर्पित करता जा रहा है। आज जहाँ भोगवादी अर्थ प्रधान शासन व्यवस्था मानव जीवन के लिए सब कुछ मान रही है वहीं हम महान राष्ट्र नायक चाणक्य के उद्घोष ''उतिष्ठ भारत'' का सदैव-सदैव स्मरण कर शिक्षा के द्वारा सच्चरित्र एवं संयमी मनुष्यों के निर्माण में अपना सौभाग्य अनुभव कर रहे हैं।

अब तक हम अपने साधनों के अभाव के कारण समाज के सर्वांगीण विकास को व्यवस्था देने में असमर्थता का अनुभव कर रहे थे। समाज के सर्वांगीण विकास की पीड़ा हमें सदैव सताती रही है। आपके स्नेह-सहयोग ने हमें इस योग्य बना दिया कि हम जीवन के उभय पक्ष का विकास राष्ट्र निर्माण हेतु एक स्थान पर साथ-साथ आरम्भ कर दें, हमारा अभिप्राय आप अनुभव कर रहे होंगे। जीवन का उभय पक्ष पुरूष एवं नारी के समुन्नति से ही विकसित हो सकता है।

नारी क्षेत्र है, तो पुरुष बीज है। यदि क्षेत्र उर्वर नहीं रहा तो उसमें किसी भी प्रकार बीज न ही जम सकता है, न विकसित, पल्लवित, पुष्पित एवं फलित ही हो सकता है। देश का इतिहास साक्षी है, भारतीय नारियों ने ही महापुरूषों का निर्माण किया है। नारी का निर्माण हमारे ऋषि, मुनि, पुरोधा अभावों की आँच में तपकर अरण्य संस्कृति में किया करते थे। गार्गी से लेकर महारानी लक्ष्मीबाई की गौरव गाथा हमारी कीर्ति पताकायें हैं। यह कीर्ति पताकायें नील गगन में अनादि काल तक फहराती रहें। इसी भावना से प्रेरित होकर बालिकाओं की उच्च शिक्षा हेतु सरस्वती विद्या मन्दिर के प्राँगण में ही एक बालिका इण्टर कालेज तथा स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय आरम्भ किया गया है। आज बालिकाओं के लिए परास्नातक तक विज्ञान वर्ग एवं वाणिज्य वर्ग की कक्षाएँ नवीन साज-सज्जा युक्त कक्षाओं एवं प्रयोगशालाओं में स्नातकोत्तर महाविद्यालय अनूठा चल रहा है। पिछले 17 वर्षो से लगातार 100% परीक्षा परिणाम हो रहा है।

श्रीमती रजनी मिश्रा
प्रधानाचार्या
बालिका इण्टर कालेज
दूरभाष: 2343492 (का.)

शिवजी सिंह
संस्थान प्रमुख
दूरभाष : 2335124 (का.)

सूचनायें

परम आदरणीय अभिभावक बन्धुओं,

सप्रेम नमस्कार !

विद्या मन्दिर की उपलब्धियों से गोरखपुर नगर अथवा जनपद ही नहीं अपितु सम्पूर्ण पूर्वांचल सुपरिचित है। शिक्षा का एक मात्र संस्थान न होकर यौगिक प्रशिक्षण एवं आध्यात्मिक साधनाओं द्वारा शारीरिक सौष्ठव, नैतिक संस्कार सृजन एवं राष्ट्रीय चेतना के निरूपण में अहर्निश प्रयत्नशील यह विद्यालय राष्ट्र निर्माण की एक कड़ी बन चुका है।

अतीत के इतिहास में विश्व पूजित भारतीय धर्म एवं संस्कृति के वाङ्मय संस्कृत भाषा के अभ्युदय हेतु हमारा विद्यालय कृत संकल्प है। अन्तर्राष्ट्रीय जगत के ज्ञान विज्ञान के तुलनात्मक अध्ययन एवं भारतीय संस्कृति एवं आध्यात्मिक उपलब्धियों से पाश्चात्य जगत से परिचित कराने वाली अंग्रेजी भाषा के लिए हम सचेष्ट हैं। सत्र 2015 में 100 बहनों को कन्या विद्या धन ₹ 30,000 का चेक प्राप्त हुआ है।

राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक स्तर पर होने वाली छात्रवृत्ति एवं अन्यान्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बालिकाओं को सन्नद्ध करना विद्या मन्दिर की अपनी विशेषता है। सामान्य ज्ञान एवं विज्ञान के सनातन एवं नित्य नूतन चमत्कार के प्रति बालिकाओं को जिज्ञासु बनाने हेतु सदैव प्रयत्नशील है। शिक्षा जगत में यह उल्लेखनीय सफलता उददेश्यपूर्वक जीवन जीने वाले आचार्य एवं आचार्याओं की लगनशीलता का परिणाम है। सड़कों पर उमड़ती भीड़ में बच्चे सुरक्षित घर से विद्यालय आयें एवं घर जा सकें, इसके लिए ही गत वर्षो से 5 बसों द्वारा वाहन व्यवस्था के समाधान में उल्लेखनीय उपलब्धि को प्राप्त किया है। वाहन व्यवस्था सुचारू रूप से चलाने के लिए एक सूमो एवं कार की व्यवस्था भी है।

सत्रारम्भ में समस्त अभिभावकों से बालिकाओं के निर्माण हेतु विद्यालय के सम्पूर्ण योजनाओं में सक्रिय सहयोगी बनने के लिए निवेदन है -

निम्नलिखित सूचनाओं पर ध्यान दें -

1. नवीन प्रवेश हेतु विद्यालय कार्यालय का समय प्रातः 9.00 बजे से 1.00 बजे अपरान्ह तक रहेगा।
2. कक्षा नवम, दशम्, एकादश एवं द्वादश की कक्षाएं 01 अप्रैल से 20 मई तक प्रातः 7.30 बजे से 12.30 बजे तक चलेंगी।
3. दशम एवं द्वादश की बहनें अप्रैल मास में वार्षिक शुल्क 25 अप्रैल 2018 तक प्रतिदिन जमा करेंगी। पुरानी बहनों को प्रवेश शुल्क नहीं जमा करना है लेकिन नाम कटने पर देय होगा। दिनांक 25 अप्रैल के बाद नाम कट जायेगा।
4. पुरानी दशम् एवं द्वादश कक्षा के बहनों को सत्रारम्भ होने के तीन दिन के भीतर उपस्थित होना

अनिवार्य है। किसी विवशता की स्थिति में प्रार्थना पत्र दे सकतीं हैं, अन्यथा तीन दिन तक अनुपस्थित होने पर नाम कट जायेगा। प्रार्थना पत्र कार्यालय में देंगे।

5. प्रत्येक अभिभावक को विद्यालय के नियमानुसार गणवेश, पाठन सामाग्री 20 अप्रैल तक पूर्ण कर देनी चाहिए।
6. पुरानी बहनों को बस हेतु आवेदन पत्र 05 अप्रैल तक भरना अनिवार्य है।
7. विद्यालय वस्तु भण्डार से बैज एवं अमृत वाणी पैसा जमा करने पर प्राप्त होगा।
8. 13 जुलाई के दिन मध्यावकाश के बाद विद्यालय स्थापना दिवस मनाया जायेगा।
9. इस विद्यालय से कक्षा दशम् उत्तीर्ण बहनें अपना प्रवेश 5 अप्रैल तक करवा लें अन्यथा उनका प्रवेश एकादश कक्षा में नहीं होगा।

विशेषः

1. हाईस्कूल परीक्षा में 70 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली बहनों को वरीयता दी जायेगी।
2. नवम् में प्रवेश आवेदन पत्र के साथ अंक पत्र की छाया प्रति तथा टी०सी० संलग्न करें।
3. नवम कक्षा के प्रवेश परीक्षा में सफल बहनों को सूचित किया जाता है कि प्रवेश परीक्षाफल घोषित होने के बाद 5 दिन के अन्दर प्रवेश करा लें अन्यथा स्थान सीमित होने के कारण प्रवेश से वंचित होना पड़ेगा।

मासिक एवं वार्षिक शुल्क विवरण :

1. इस सत्र में बस वाहन शुल्क नवम् एवं एकादश का 750 रूपये प्रतिमाह है। वाहन शुल्क मात्र 12 माह का देय होगा।
2. बस शुल्क 750/- लिया जायेगा।
3. प्रवेश नवम् एवं एकादश कक्षाओं में होगा। स्थान सीमित होने के कारण प्रवेश हेतु चयन प्रवेश परीक्षा के वरीयता के आधार पर होगा।
4. सरस्वती विद्या मन्दिर से कक्षा अष्टम उत्तीर्ण करने वाली बहनों की प्रवेश परीक्षा नहीं होगी लेकिन वार्षिक परीक्षा में गणित विषय में 60 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करने वाली बहनों को नवम् कक्षा में गणित नहीं मिलेगा।
5. विद्या मन्दिर से कक्षा अष्टम उत्तीर्ण बहनें अपना प्रवेश 01 अप्रैल से 05 अप्रैल तक अवश्य करा लें अन्यथा बाद में प्रवेश नहीं लिया जायेगा।

सरस्वती विद्या मन्दिर बालिका इण्टर कालेज
आर्यनगर, गोरखपुर
विगत वर्षो से हाई स्कूल का परीक्षाफल

वर्ष	कुल परीक्षार्थी	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	प्रतिशत
2017	384	ग्रेडिंग प्रणाली उत्तीर्ण			100%
2016	372	ग्रेडिंग प्रणाली उत्तीर्ण			100%
2015	344	ग्रेडिंग प्रणाली उत्तीर्ण			100%
2014	341	ग्रेडिंग प्रणाली उत्तीर्ण		341	100%
2013	390	ग्रेडिंग प्रणाली उत्तीर्ण		390	100%
2012	319	ग्रेडिंग प्रणाली उत्तीर्ण		319	100%
2011	330	ग्रेडिंग प्रणाली उत्तीर्ण			98.5%
2010	361	-	-	355	98.00%

सरस्वती विद्या मन्दिर बालिका इण्टर कालेज
आर्यनगर, गोरखपुर
विगत वर्षो से इण्टरमीडिएट का परीक्षाफल

वर्ष	कुल परीक्षार्थी	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	प्रतिशत
2017	460	401	53	04	100%
2016	490	466	12	00	100%
2015	478	454	24	00	100%
2014	416	397	18	01	100%
2013	399	383	15	00	99.99%
2012	410	274	130	00	99.50%
2011	342	256	58	-	92.00%
2010	359	282	65	-	96.00%

शुल्क विवरण सत्र 2018-2019

इस सत्र में बस वाहन नवम् एवं एकादश का 750 रूपये प्रतिमाह है। वाहन शुल्क पात्र 12 माह का देय होगा। पंजीकरण शुल्क रू० 200/- देय होगा।

नवम से द्वादश मासिक शुल्क		नवीन प्रवेश शुल्क वार्षिक	प्राचीन शुल्क वार्षिक
नवम	900.00 अप्रैल से मार्च तक	2500.00 अप्रैल में	2000.00
दशम	800.00 अप्रैल से मार्च तक		2000.00 अप्रैल में
एकादश	950.00 अप्रैल से मार्च तक विज्ञान वर्ग	2500.00 अप्रैल में	2000.00 अप्रैल में
,,	900.00 अप्रैल से मार्च तक वाणिज्य वर्ग	2500.00 अप्रैल में	2000.00 अप्रैल में
द्वादश	850.00 अप्रैल से मार्च तक विज्ञान वर्ग		2000.00 अप्रैल में
,,	800.00 अप्रैल से मार्च तक वाणिज्य वर्ग		2000.00 अप्रैल में

बस शुल्क 750 रू० प्रतिमाह 12 माह तक एवं दशम तथा द्वादश का 9 माह का वाहन शुल्क देय होगा।

वार्षिक शुल्क विवरणः (प्रवेश के समय अप्रैल मास के किश्त के साथ)

	विवरण	षष्ठ से द्वादश
1.	पुस्तकालय	10.00
2.	विद्युत	210.00
3.	चिकित्सा	10.00
4.	परीक्षा	300.00
5.	पत्रिका	80.00
6.	वार्षिक कार्यक्रम	150.00
7.	प्रवेश शुल्क	500.00
8.	साज-सज्जा	100.00
9.	दूर संचार	10.00
10.	उपकरण मरम्मत	180.00
11.	विकास शुल्क	900.00
12.	परिचय-पत्र	50.00
	सर्वयोग	**2500.00**

आलोक- पुरानी बहनों का प्रवेश शुल्क रू० 500.00 कम अर्थात् 2000.00 रू० जमा करना होगा।

आलोक :

1. शैक्षणिक यात्रा का शुल्क अलग से लिया जायेगा।
2. जिन पिता के तीन बहनें बालिका इण्टर कालेज में अध्ययनरत रहेंगीं। उसमें से एक बहन का शिक्षण शुल्क आधा माफ कर दिया जायेगा। 05 मई 2018 तक प्रार्थना पत्र देने पर इस विषय पर विचार किया जायेगा। यह छूट 11 माह के शुल्क में मिलेगी।
3. इसके अतिरिक्त कोई शुल्क नहीं लिया जायेगा।
4. विद्या मंदिर में सत्र 2018-2019 में शिशु से इण्टर कक्षा तक कक्षा में प्रथम स्थान पाने वाली बहनों का शुल्क आधा एवं द्वितीय स्थान पाने वाले बहनों का चौथाई शुल्क माफ होगा।
5. स्व० नागेन्द्र सिंह दाढ़ी बाबा प्रतिभा सम्मान जो विद्यार्थी अपने संकाय में प्रथम स्थान (सर्वाधिक अंक) प्राप्त करते है उन्हें यह सम्मान, गौरव-पत्र, शिल्ड तथा शुल्क में 75% की छूट दी जाती है।

पाठ्यक्रम

1- हिन्दी 2- अंग्रेजी 3. विज्ञान 4. सा० विज्ञान
5- गणित/प्रा० गणित/गृहविज्ञान 6. कम्प्यूटर/कला/वाणिज्य/गृहविज्ञान

1- सामान्य हिन्दी 2- अंग्रेजी 3- भौतिक विज्ञान 4- रसायन विज्ञान
5- गणित अथवा जीव विज्ञान

1- सामान्य हिन्दी 2- अंग्रेजी 3- बहीखाता एवं लेखाशास्त्र
4- व्यापारिक संगठन एवं पत्र व्यवहार 5- अधिकोषण तत्व/व्यवसायिक गणित

गणवेश

नवम् से द्वादश तक की बहनों के लिए (सोमवार से शुक्रवार)

ग्रीष्मकालीन : ग्रे रंग की समीज (कुर्ता गला, बाँह कलाई तक), सफेद सलवार, सफेद मोजा, काला जूता (रेक्सीन या कपड़े का) चमड़े का नहीं।

शनिवार- सफेद रंग की समीज, (कुर्ता गला, बाँह कलाई तक), सफेद सलवार, सफेद मोजा, सफेद जूता (रेक्सीन या कपड़े का) चमड़े का नहीं।

शीतकालीन : ग्रे रंग की समीज (कुर्ता गला, बाँह कलाई तक), सफेद सलवार, नेवी ब्लू हाफ स्वेटर, नेवी ब्लू ब्लेजर, नेबी ब्लू मोफलर।

हमारा लक्ष्य एवं उददेश्य :

1. स्वच्छ सुन्दर आधुनिक साज-सज्जा से नवनिर्मित भवन।
2. सुयोग्य, संस्कारित आचार्यो द्वारा मनोवैज्ञानिक विधि से अध्यापन।
3. संस्कारक्षम वातावरण से दैनिक जीवन में दैनन्दिनी संस्कारों की उत्तम व्यवस्था।
4. नियमित, निर्धारित गृहकार्य की व्यवस्था।
5. क्रिया आधारित शिक्षण पर बल।
6. व्यवस्था प्रियता, नागरिकता, व्यक्तित्व शक्ति विकास हेतु छात्र/छात्रा संसद की व्यवस्था।
7. कम्प्यूटर शिक्षा की व्यवस्था।
8. उत्तरदायित्व की भावना हेतु छात्र मंत्रीमंडल की रचना।
9. विषयों के व्यवहारिक ज्ञान हेतु संस्कार भारती का गठन।
10. सामाजिक, भौगोलिक, ऐतिहासिक, धार्मिक ज्ञानार्जन हेतु दर्शन (यात्राएं) शिविर एवं प्रदर्शनियों का आयोजन।
11. **शिक्षार्थ आइये, सेवार्थ जाइये** की भावना को व्यवहारिक रूप देने हेतु असहाय एवं अशिक्षित क्षेत्रों में सेवा के कार्यो का आयोजन।
12. मातृभूमि, संस्कृति, धर्म, परम्परा एवं महापुरूषों के सम्बन्ध में सम्यक जानकारी हेतु संस्कृति ज्ञान परीक्षा।
13. आध्यात्मिक, वैज्ञानिक एवं आधुनिकतम साधनों द्वारा शारीरिक एवं योग प्रशिक्षण की व्यवस्था।
14. आचार्य, छात्र एवं अभिभावक में पारिवारिक समरसता एवं सत् परामर्श हेतु कक्षासः अभिभावक गोष्ठी का आयोजन।
15. लेखन प्रतिभा के विकास हेतु वार्षिक पत्रिका जागृति का सम्पादन एवं प्रकाशन।
16. छात्राओं के सर्वांगीण मूल्यांकन हेतु सतत् समीक्षात्मक पद्धति का प्रयोग।
17. शारीरिक, मानसिक, व्यवसायिक, नैतिक और आध्यात्मिक पंचमुखी शिक्षा व्यवस्था। विद्यालय का आगामी सत्र वर्तमान सत्र की समाप्ति के तुरन्त पश्चात प्रारम्भ होगा। विद्यालय में छात्राओं का प्रवेश वरीयता क्रम के अनुसार लिया जायेगा। विस्तृत जानकारी हेतु विद्यालय कार्यकाल के अवधि में प्रधानाचार्य से सम्पर्क करें।
18. समुचित व्यय में बालिकओं का पूर्ण विकास।
19. बालिकाओं के चरित्र का इस ढंग से निर्माण कि वह कठिन काल में उनके जीवन की ज्योति तथा संबल बन सके।
20. ''स्वस्थ शरीर में स्वस्थ आत्मा'' के सिद्वांतानुसार सुगठित तथा निरोग शरीर रचना पर पूरा ध्यान।
21. जीवन के प्रति कला और आनन्द की वृत्ति निर्माण के लिए सभी प्रकार की सुरूचियों तथा सुसंस्कारों को जाग्रत करना।
22. बालिकाओं में शिष्टाचार, सदाचार, सामाजिक भाव, राष्ट्रभक्ति तथा परस्पर सहयोग वृत्ति का निर्माण।

हमारी विशेषताएं :

1. **शिक्षकः** शिक्षा का महत्वपूर्ण अंग अध्यापक हैं जिन्हें विद्या मंदिर में आचार्य कहते है। शैक्षणिक योग्यता के साथ, शिक्षा में रूचि, भारत की मान बिन्दुओं के प्रति निष्ठावान, अनुशासित तथा चरित्रवान शिक्षक है।
2. **शिक्षाः** शिक्षण की जितनी भी मान्य पद्धतियाँ हैं उन सभी तत्व को लेकर एक विशेष पद्धति का अनुसरण किया जाता है, जिसका आधार भारतीय संस्कृति एवं शिक्षा है। संस्कारों को पुष्ट करने के लिए विभिन्न शिक्षणेत्तर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।
3. संस्कार भारतीः व्यवस्था प्रिय एवं उत्तरदायित्व का भाव जगाने हेतु, संस्कार भारती का गठन किया जाता है, इस संस्था द्वारा पुस्तकालय, वाचनालय की व्यवस्था, जयन्तियों का आयोजन, विशेष व्यक्तियों के आगमन पर उन्हें सम्मान प्रदान करना, प्रवचन, मंचीय कार्यक्रम तथा साहस और ज्ञान वर्धन हेतु गीत, कहानी कविता का आयोजन।

4. वार्षिकोत्सव एवं सरस्वती पूजन : सरस्वती पूजा का भव्य आयोजन बसन्त पंचमी के दिन होता है। इसी दिन विद्यालय का वार्षिकोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम के रूप में मनाया जाता है।

5. सरस्वती यात्रा: नगर के विशेष स्थान तथा निकटवर्ती जनपदों में विशेष स्थान के भ्रमण के कार्यक्रमों के द्वारा सामान्य ज्ञानकोष समृद्ध किया जाता है।

6. देश दर्शन यात्रा: ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थानों का अध्ययन इस यात्रा द्वारा कराया जाता है।

7. पुस्ताकालय: बाल साहित्य तथा उद्धरण सम्बंधी पुस्तकों का विशाल पुस्तकालय है। जहाँ सप्ताह में बहनें एक पुस्तक प्राप्त करती हैं। उद्धरण पुस्तकों के अध्ययन के लिए विद्यालय में ही व्यवस्था है। समाचार पत्र तथा पत्रिकाओं के वितरण की व्यवस्था है।

8. पत्रिका: बालिकाओं की रचना प्रवृत्ति को जगाने के लिए विद्यालय की अपनी वार्षिक पत्रिका ''जागृति'' है।

9. एकरूपता: धनपति एवं धनहीन दोनों के बच्चे एक ही वेष में विद्यालय आवें। इसके लिए गणवेश रखा गया है। बालिकाओं के शरद एवं ग्रीष्मकालीन वेश भिन्न-भिन्न हैं।

10. (क) बौद्धिक भाषा, अन्तयाक्षरी, सुलेख, कला आदि का आयोजन मासिक स्तर पर किया जाता है।

    (ख) शारीरिक विकास हेतु दैनिक कार्यक्रमों की योजना है। समय-समय पर शारीरिक प्रतियोगितओं का आयोजन किया जाता है।

11. पुरस्कार योजना: हमारे संस्थान द्वारा विभिन्न अवसरों पर हमारे आचार्य/आचार्या एवं बहनों के उत्साह वर्धन हेतु विभिन्न प्रकार के पुरस्कार की योजना का आयोजन होता है।

    (क) विद्या मन्दिर पुरस्कार योजना - इस योजना के अन्तर्गत हाईस्कूल एवं इण्टर बोर्ड की परीक्षाओं की वरिष्ठता सूची में दस स्थान पाने वाली विद्यालय की बहनों को 11000/- की राशि से पुरस्कृत किया जायेगा।

    (ख) विद्या मन्दिर पुरस्कार योजना: सत्र 2001-2002 से शिशु से स्नातक कक्षा तक कक्षा में प्रथम स्थान पाने वाले बहनों का शुल्क आधा एवं द्वितीय स्थान पाने वाले बहनों का शुल्क चौथाई माफ होगा। यह योजना 2002 से प्रारम्भ हुई है।

12. अभिभावक गोष्ठी: वर्ग एवं कक्षास: बहनों के अभिभावकों की छमाही गोष्ठी आयोजित होती है, जिसमे अभिभावक अपनी समस्या रखते हैं तथा विद्यालय अपनी योजनाओं को बताता है। दोनों के सामयिक विचार विनिमय से बालिकओं का विकास किया जाता है।

13. नगर के प्रत्येक भाग का वाहन शुल्क एक ही है, महानगर के प्रत्येक भाग में विद्यालय की बसें भी संचालित हैं, जिससे परिवहन में प्रत्येक सम्भव सुविधा प्राप्त है। इस समय विद्यालय में 5 बसें, एक टाटा सूमो एवं कार है।

मंत्री

सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल

सरस्वती विद्या मन्दिर

आर्यनगर-गोररखपुर

विद्या मन्दिर का उददेश्य

हमें ऐसे राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली का विकास करना है जिसके द्वारा ऐसे युवकों/युवतियों का निर्माण हो सके जो हिन्दुत्व निष्ठ एवं राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत हो, शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से पूर्ण विकसित हो तथा जीवन के वर्तमान चुनौतीयों का सामना सफलतापूर्वक कर सकें। ग्रामीण बनवासी गिरि कन्दराओं एवं झुग्गी झोपड़ियों में निवास करने वाले दीन दुःखी अभावग्रस्त अपने बान्धवों को सामाजिक कुरीतियों, शोषण एवं अन्याय से मुक्त कराकर राष्ट्र जीवन को समरस,सुसम्पन्न एवं सुसंस्कृत बनाने के लिए जिनका जीवन समर्पित हो।

-विद्या मन्दिर

वन्दे मातरम्....

सुजलां सुफलां मलयज शीतलाम्
शस्य श्यामलां मातरम्। वन्दे मातरम् ॥
शुभ्र ज्योत्सनां पुलकितयामिनीम्
फुल्ल-कुसुमित द्रुम-दल शोभिनीम्
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्
सुखदां वरदां मातरम्। वन्दे मातरम् ॥
कोटि-कोटि कण्ठ
कल-कल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैघृत-खर-करवाले।
अबला केनो मा! एतो बोले,
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं
रिपुदलवारिणीं मातरम्। वन्दे मातरम् ॥
तुमि विद्या तुमि धर्म, तुम हृदि तुम मर्म,
त्वं ही प्राणाः शरीरे
बाहु ते तुमि माँ शक्ति,
हृदये तुमि माँ भक्ति,
तोमारई प्रतिमा गड़ि मन्दिरे-मन्दिरे।
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी
कमला कमलदलविहारिणी
वाणी विद्यादायिनी, नमामि त्वां
नमामि कमलां, अमलां,अतुलां
सुजलां सुफलां मातरम्। वन्दे मातरम् ॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषितां।
धरणीं, भरणीं मातरम्। वन्दे मातरम् ॥

जय हिन्द!

सरस्वती विद्या मन्दिर

आर्यनगर उत्तरी, गोरखपुर के निम्नलिखित सात प्रभाग हैं-

सरस्वती विद्या मन्दिर जूनियर हाईस्कूल

आर्यनगर उत्तरी, गोरखपुर
दूरभाष : 2335124

सरस्वती विद्या मन्दिर बालिका इण्टर कालेज

आर्यनगर उत्तरी, गोरखपुर
दूरभाष : 2343492
विज्ञान एवं वाणिज्य वर्ग

सरस्वती विद्या मन्दिर स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध

आर्यनगर उत्तरी, गोरखपुर दूरभाष : 2201036
स्नातक
(विज्ञान बायो ग्रुप, होम साइन्स एवं वाणिज्य)
स्नातकोत्तर
(प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान)
बी.एड. पाठ्यक्रम

सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज (बालक)

आर्यनगर उत्तरी, गोरखपुर
दूरभाष : 2202359
विज्ञान एवं वाणिज्य वर्ग

सरस्वती विद्या मन्दिर जीजाबाई महिला छात्रावास

आर्यनगर उत्तरी, गोरखपुर
दूरभाष : 2330496

विद्या मन्दिर शिक्षण संस्थान

रहमतनगर, मानीराम, गोरखपुर
बी.टी.सी. पाठ्यक्रम
मो. : 9415824504

SVM Public School

Chiutaha, Maniram, Gorakhpur
(English Medium C.B.S.E. Pattern)
Ph.: 2108883

मुद्रक: कस्तूरी आफसेट, गोरखपुर फोन: 0551-2340516, 2330589